हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, मंगलवार 28 अप्रैल 2026

तापमान

अधिकतम 44 .4 डिग्री
न्यूनतम 20 .3 डिग्री

शहर में आज

- जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस सुबह 11 बजे
- फायर बिग्रेड का धरना-प्रदर्शन
- समाधान शिविर में सुनी जाएंगी लोगों की समस्याएं।

रेलवे रोड, भिवानी स्टैंड और मालगोदाम रोड पर मची अफरा-तफरी

सुबह 11:30 बजे झज्जर रोड से रेलवे रोड की ओर मुड़ी कार व बाजार में दाखिल होते ही नियंत्रण खो गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

सोमवार सुबह शहर के व्यस्त बाजार रेलवे रोड, भिवानी स्टैंड व मालगोदाम रोड पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक तेज रफ्तार बलेनो कार ने सड़कों को मानो रेसिंग ट्रैक बना दिया। करीब एक किलोमीटर तक कार चालक ने बेकाबू अंदाज में वाहन दौड़ाते हुए सामने आने वाली बाइकों और एक ऑटो को टक्कर मार दी। इस खतरनाक घटनाक्रम में एक युवक घायल हो गया, जबकि कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। घटना ने बाजार में मौजूद लोगों को दहशत में डाल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार चालक नशे में लग रहा था और बिना किसी परवाह के लगातार टक्कर मारता हुआ आगे बढ़ता रहा। आखिरकार लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए पुरानी अनाज मंडी के पास कार को रुकवाया और चालक को मौके पर ही पकड़ लिया।

'बेकाबू रफ्तार' का कहर : बाजार में कार से मचाया उत्पात, 15 बाइक और ऑटो को मारी टक्कर, 1 किमी पीछा कर पकड़ा

यूं घुसा बाजार में

युवक व स्कूटी को टक्कर

ऐसे भाग निकला

आखिरकार पकड़ा गया

झज्जर रोड से शुरू हुआ सफर

घटना सुबह करीब 11:30 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, कार झज्जर रोड से रेलवे रोड की ओर मुड़ी और जैसे ही बाजार में दाखिल हुई, उसने अपना नियंत्रण खो दिया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्य हरिओम पंडित ने बताया कि वह रैपिडो बाइक से बाजार की ओर जा रहे थे, तभी अचानक तेज रफ्तार कार सामने आई और बाइकों को टक्कर मारनी शुरू कर दी। देखते ही देखते सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

अनाज मंडी में कार फंसी

हरिओम ने बताया कि जिस स्कूटी पर वह सवार थे, उसे भी कार ने टक्कर मारी। इसके बाद राइडर ने हिम्मत दिखाते हुए कार का पीछा करना शुरू कर दिया। इस दौरान उन्होंने पूरी घटना का वीडियो भी बना लिया, जो अब चर्चा का विषय बना हुआ है। करीब एक किलोमीटर तक कार चालक लगातार भागता रहा। रास्ते में उसने करीब 15 बाइकों और एक ऑटो को टक्कर मार दी। अंततः कार अग्रसेन चौक से होते हुए पुरानी अनाज मंडी में जाकर फंस गई। तब तक कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था।

चालक काबू, साथी फरार

घटना के बाद कार की आगे वाली सीट पर बैठा युवक मौके से फरार हो गया, जबकि चालक को लोगों ने पकड़ लिया। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि युवक की हालत देखकर वह नशे में प्रतीत हो रहा था। सूचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया। पुलिस अब फरार साथी की पहचान करने में जुटी है।

मदीना का है युवक

पुलिस जांच में सामने आया कि पकड़ा गया युवक मदीना गांव का 20 वर्षीय साहिल है। कार उसके पिता सतीश के नाम पर पंजीकृत है, जो पेशे से किसान हैं। परिजनों के अनुसार, साहिल को गाड़ी चलाने का पर्याप्त अनुभव नहीं है और घर के लोग उसे वाहन चलाने से मना करते थे। बताया जा रहा है कि वह घर से चुपचाप कार लेकर निकल गया था।

लोग बोले- नशे में था चालक, परिजन बोले चुपचाप ले गया कार

घायल का इलाज जारी पुलिस जांच में जुटी

घटना में घायल युवक को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत फिलहाल स्थिर है। सिटी थाना एसएचओ रमेश ने बताया कि आरोपी युवक से पूछताछ की जा रही है और मामले की जांच जारी है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि घटना के समय वह नशे में था या नहीं।

सवालों के घेरे में यातायात सुरक्षा

यह घटना एक बार फिर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े करती है। व्यस्त बाजारों में तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग से आम लोगों की जान जोखिम में पड़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि अगर समय रहते कार को नहीं रोका जाता, तो यह हादसा और भी बड़ा रूप ले सकता था।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बाजार क्षेत्रों में ट्रैफिक नियंत्रण को और सख्त किया जाए तथा ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और कार्रवाई के नतीजों का इंतजार किया जा रहा है। इस घटना ने लोगों को सतर्क रहने की जरूरत भी एक बार फिर याद दिला दी है।

ठेकेदारों पर यह मेहरबानी या कुछ और बड़ा सवाल

शौचालय पर 19 लाख और आई लव किला रोड पर 13 लाख खर्च

गरीबों के 158 शौचालयों की कीमत में बना किला रोड का टॉयलेट

जब पहले से बना ठीक था तोड़ने की जरूरत क्यों ⏭ **बड़ा सवाल पहले लगाए गए सामान का क्या किया गया** ⏭ **गरीबों को टॉयलेट बनाने के लिए दिए थे 12-12 हजार**

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर में विकास कार्यों को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। इस बार मामला किला रोड पर बने एक सार्वजनिक शौचालय और "आई लव किला रोड" साइन बोर्ड पर हुए खर्च से जुड़ा है। जहां सरकार ने वर्षों पहले गरीबों को व्यक्तिगत शौचालय निर्माण के लिए 12-12 हजार रुपये की सहायता दी थी, वहीं किला रोड पर बने इस एक शौचालय पर नगर निगम द्वारा करीब 19 लाख रुपये खर्च कर दिए गए। अगर तुलना की जाए तो यह राशि लगभग 158 गरीब परिवारों के शौचालयों के निर्माण के बराबर बैठती है। जबकि इससे पहले यहां बनाया गया शौचालय सही हालात में बताया गया है। अगर उसे तोड़ा ही जाना था तो उसका सामान कहां प्रयोग किया गया। इसके अलावा सेल्फी प्वाइंट पर खर्च की गई राशि को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। इस मामले में दो महिला पार्षद हाउस की मीटिंग में सवाल उठा चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया था कि जनता का पैसा बर्बाद किया गया है। निगम के सूत्रों के मुताबिक, किला रोड पर शौचालय निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्यों पर कुल करीब 32.5 लाख रुपये खर्च किए गए। इसमें से करीब 19 लाख रुपये शौचालय निर्माण पर और करीब 13.5 लाख रुपये "आई लव किला रोड" साइन बोर्ड व अन्य सौंदर्यीकरण कार्यों पर खर्च किए गए हैं। इनमें स्टील की ग्रिल और आई लव किला रोड लिखा गया है। अब इस भारी-भरकम खर्च को लेकर शहरवासियों और पार्षदों में चर्चाएं चल रही हैं। निगम की तरफ से ठेकेदार को भुगतान किया जा चुका है। वहीं किला रोड मामले में एक आरोप है टेंडर नौ प्रतिशत बढ़ौतरी पर दिया गया है, जबकि टेंडर कम रेट पर दिया जाता है।

रोहतक। आई लव किला रोड का बोर्ड। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। किला रोड पर बनाया गया शौचालय। फोटो : हरिभूमि

पुराने शौचालय को तोड़ नए निर्माण पर लाखों खर्च पार्षदों ने उठाए सवाल

30 मार्च को नगर निगम द्वारा शहर का विकास कार्य करने के लिए बजट की मीटिंग बुलाई गई थी। जिसमें पार्षद डिंपल जैन और नीरा भटनागर ने सवाल उठाया था। पार्षदों का कहना था कि किला रोड के जिस स्थान पर नया शौचालय बनाया गया है, वहां पहले से ही एक शौचालय मौजूद था और उसकी स्थिति भी ठीक-ठाक थी। ऐसे में पुराने शौचालय को हटाकर नए निर्माण पर लाखों रुपये खर्च करने का औचित्य समझ से परे है। पार्षदों ने बैठक में यह भी सवाल उठाया कि पुराने शौचालय में इस्तेमाल हुआ सामान आखिर कहां गया। यदि वह उपयोग योग्य था, तो उसे किसी अन्य स्थान पर क्यों नहीं लगाया गया। साथ ही सवाल उठाया गया था कि यह शौचालय वार्ड छह में स्थित है तो वार्ड सात के पार्षद की नेम प्लेट क्यों लगाई गई है। इस पर मेयर ने साफ कहा था कि अधिकारी ऐसा न करे, यह उनसे चूक हुई है। इस पूरे मामले में पारदर्शिता की कमी और संसाधनों के दुरुपयोग की आशंका जताई जा रही है। वहीं सूत्रों का कहना है कि शौचालय के सामान की भी ठेकेदार से रिकवरी नहीं की गई।

मेयर ने किया था सेल्फी प्वाइंट-शौचालय का उद्घाटन

मेयर रामअवतार वाल्मीकि ने इस शौचालय और सेल्फी प्वाइंट का उदघाटन किया था। हालांकि इसके अलावा मानसरोवर पार्क और जाट कॉलेज और कैनाल रेस्ट हाउस के पास भी आई लव रोहतक के नाम से सेल्फी प्वाइंट बनाए गए थे।

सजावट पर खर्च नहीं, जरूरतों पर ध्यान दे निगम

जहां पहले से शौचालय बना हुआ था, उसे तोड़कर नया शौचालय बनाने का कोई औचित्य नहीं है। शहर की बहुत सी कॉलोनियों में सुविधाओं की कमी है। नगर निगम को भी इन कॉलोनियों में पैसा खर्च करना चाहिए। सजावट के नाम पर पैसा खर्च करने से बचना चाहिए। -सूरजमल किलोई, पूर्व मेयर प्रत्याशी कांग्रेस

तेज आंधी का कहर, पोल और तार टूटने से 4 घंटे अंधेरे में डूबा शहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

सोमवार को अचानक देर शाम आए तेज तूफान और आंधी ने शहर की रफ्तार थाम दी। देखते ही देखते आसमान में धूल का गुबार छा गया और तेज हवाओं ने पूरे शहर की बिजली व्यवस्था को झकझोर कर रख दिया। हालात यह रहे कि करीब चार घंटे तक पूरा शहर अंधेरे में डूबा रहा, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। तूफान की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शहर के कई इलाकों में बिजली के खंभे तक टूट गए, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में पेड़ गिरने से बिजली की लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं। तेज हवाओं के चलते कई जगहों पर तार टूटकर जमीन पर आ गिरे, जिससे खतरे की स्थिति भी बनी रही।

अचानक बदला मौसम

दोपहर के समय अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी के साथ धूल भरी हवाएं चलने लगीं। बाजारों में मौजूद लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। कई दुकानदारों ने एहतियात के तौर पर अपनी दुकानें बंद कर दीं। सड़क पर चल रहे वाहन चालकों को भी तेज हवाओं और उड़ती धूल के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ ही देर में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई, जिससे घरों, दुकानों और कार्यालयों में अंधेरा छा गया। इन्वर्टर और जनरेटर पर निर्भरता बढ़ गई, लेकिन लंबे समय तक बिजली न आने से लोगों की परेशानी बढ़ती गई।

आंधी से भड़की आग, घिरा सांपला बिजलीघर, बड़ा हादसा टला

सांपला। सांपला-झज्जर मार्ग स्थित बिजलीघर परिसर में सोमवार शाम तेज आंधी के दौरान आग लग गई। सूखी झाड़ियों और कबाड़ में लगी आग हवा के कारण तेजी से फैलकर परिसर तक पहुंच गई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों और बिजली कर्मचारियों ने दमकल के पहुंचने से पहले ही अग्निशामक यंत्रों और पानी की मदद से आग पर काबू पा लिया। एहतियातन क्षेत्र की बिजली आपूर्ति भी बंद कर दी गई। करीब एक घंटे तक दमकल नहीं पहुंच सकी, जिससे व्यवस्था पर सवाल उठे।

ग्रामीण इलाकों में ज्यादा नुकसान

तूफान का असर केवल शहर तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आसपास के गांवों में भी भारी नुकसान हुआ। कई जगहों पर बड़े-बड़े पेड़ जड़ से उखड़ गए और बिजली की लाइनों पर गिर गए। इससे तार टूट गए और आपूर्ति बाधित हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि तेज हवाओं के कारण घरों के बाहर खड़े वाहन और अन्य सामान भी प्रभावित हुए। कुछ स्थानों पर छप्पर और टीन शेड तक उड़ गए।

मोखरा हमला: नाबालिग समेत आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

गांव मोखरा में पंजाब के मजदूरों पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने नाबालिग समेत मुख्य आरोपी शुभम उर्फ त्रिवेश को गिरफ्तार कर लिया है। अदालत ने शुभम को 4 दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है, जबकि नाबालिग को बाल सुधारगृह भेजा गया। पुलिस के अनुसार 23 अप्रैल को मनिंद्रजीत की शिकायत पर केस दर्ज हुआ था। वह अपने साथियों के साथ गेहूं कटाई के लिए गांव में ठहरा हुआ था। आरोप है कि रात को कई युवकों ने फरसा, गंडासा और डंडों से हमला कर तीनों को घायल कर दिया।जांच में सामने आया कि एक दिन पहले भी खेत में विवाद हुआ था, जिसकी रंजिश में हमला किया गया। पुलिस ने हथियार बरामद कर अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

कोर्ट के गेट पर हुई गोलीबारी में राजे बोहर सहित सात बरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

एडीजे रजनी यादव की कोर्ट ने अदालत परिसर के बाहर हुए गोलीकांड मामले में राजे बोहर सहित उसके साथियों को बरी करने का फैसला सुनाया। शिकायत पक्ष आरोपियों के खिलाफ ठोस सबूत कोर्ट में पेश नहीं कर सके। आरोपित सुमित प्लोटरा की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने पैरवी की। जबकि इसी मामले में आरोपियों की तरफ से अधिवक्ता अशोक कादयान भी पेश हुए। मामले के अनुसार, भाजपा नेता रमेश बोहर की तरफ से 28 मार्च 2017 को पुलिस में एक शिकायत दी गई थी, जिसमें रमेश ने बताया कि जिला कोर्ट के बाहर गैंगस्टर राजे बोहर व उसके साथियों ने जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी। इस मामले में संजीत की मौत हो गई थी जबकि रमेश लोहार, एक अधिवक्ता और व रमेश का साथी संदीप घायल हो गए थे। उस समय फायरिंग से कोर्ट के बाहर अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया था। कई अधिवक्ताओं ने भाग कर जान बचाई थी। फायरिंग के मामले में पुलिस ने राजेश उर्फ राजे बोहर व उसके साथियों को गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट में चालान पेश किया। राजेश बोहर व उसके साथी करीब दो साल तक जेल में रहे। इसके बाद जब केस गवाही पर आया तो आरोपियों को जमानत मिल गई। अब सबूतों के अभाव में कोर्ट ने सभी को बरी कर दिया।

रंजिश के चलते दर्ज करवाया था केस

एडवोकेट अशोक कादयान ने बताया कि रमेश बोहर की तरफ से पुलिस को जो शिकायत दर्ज करवाई थी, उसमें बताया कि राजेश उर्फ राजे बोहर के साथ उसकी पुरानी रंजिश चल रही है। इसी के चलते कोर्ट में जब वह पेशी पर आया तो बाहर निकलते ही राजेश उर्फ राजे ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके ऊपर फायरिंग कर दी, जिसमें एक युवक की मौत भी हो गई थी।

इन लोगों को किया बरी

फायरिंग मामले में कोर्ट ने राजेश उर्फ राजे बोहर, नसीब, धीरज, संदीप, सुमित उर्फ प्लोटरा , राहुल, सत्यवान, अरुण को कोर्ट ने बरी कर दिया है।

नरेश काला को क्लीन चिट

राजेश उर्फ राजे बोहर के भाई नरेश काला का नाम भी फायरिंग केस में आया था। पुलिस ने नरेश काला का पोलिग्राफी टेस्ट भी करवाया था, जिसमें पुलिस के हाथ कुछ नहीं लगा तो उसे क्लीन चिट दे दी गई। नरेश काला को पुलिस की क्लीन चिट मिलने के बाद उसे गिरफ्तार नहीं किया।

स्टूडेंट गाइड | जिले के 12 कॉलेजों में बीएससी कोर्स, एनईपी के तहत नए विकल्प

इंटर्नशिप अनिवार्य पढ़ाई के साथ स्किल्स पर भी दिया जा रहा जोर

बीएससी फिजिक्स-केमिस्ट्री: रिसर्च से स्पेस तक खोलता है करियर के द्वार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जिले के सरकारी और न.जी कॉलेजों में बीएससी फिजिक्स-केमिस्ट्री (भौतिक विज्ञान व रसायन विज्ञान) का कोर्स युवाओं के लिए करियर का मजबूत और बहुआयामी विकल्प बनकर उभर रहा है। 12वीं के बाद इस स्ट्रीम को चुनने वाले छात्र अब पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़कर वैज्ञानिक अनुसंधान, इंडस्ट्री, ऊर्जा क्षेत्र और अंतरिक्ष जैसे उन्नत क्षेत्रों में अपनी पहचान बना सकते हैं। बदलते समय के साथ विज्ञान की पढ़ाई अब केवल थ्योरी तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें स्किल्स, रिसर्च और प्रैक्टिकल अनुभव को भी बराबर महत्व दिया जा रहा है। नई शिक्षा नीति के लागू होने के बाद पढ़ाई और अधिक लचीली हो गई है, जिससे छात्र अपनी सुविधा के अनुसार डिग्री, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट हासिल कर सकते हैं।

12 सरकारी व निजी कॉलेजों में ले दाखिला

जिले के 12 सरकारी और निजी कॉलेजों में बैचलर ऑफ साइंस (बीएससी) फिजिक्स और रसायन विज्ञान का कोर्स विद्यार्थियों के लिए मौजूद है। 12वीं के बाद इस विषय को चुनने वाले छात्र रिसर्च से स्पेस तक अपने करियर की उड़ान भर सकते हैं। पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सांगवान ने बताया कि यह डिग्री विद्यार्थियों को विज्ञान के मूलभूत सिद्धांतों से परिचित कराती है और उनमें अनुसंधान की क्षमता विकसित करती है।

डॉ. सुरेंद्र सांगवान।

इंटर्नशिप के बिना डिग्री नहीं

अब स्नातक की डिग्री हासिल करने के लिए विद्यार्थियों को 120 घंटे की इंटर्नशिप करना अनिवार्य है। यह इंटर्नशिप विद्यार्थी ऑनलाइन या ऑफलाइन किसी भी माध्यम से पूरी कर सकते हैं। यदि कोई ऐसा नहीं करते हैं तो डिप्लोमा, सर्टिफिकेट या डिग्री नहीं दी जाएगी।

खास खबर

एनईपी के तहत बदल गए नियम

नेकीराम कॉलेज के इंटर्नशिप नोडल अधिकारी डॉ. राजेश दहिया ने बताया कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत अब छात्र अपनी सुविधा और जरूरत के अनुसार पढ़ाई के बीच में भी सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकते हैं। अगर कोई विद्यार्थी एक साल की पढ़ाई पूरी करके छोड़ता है तो उसे डिप्लोमा मिलेगा, दो साल के बाद सर्टिफिकेट, तीन साल के बाद स्नातक की डिग्री और चार साल पूरे करने पर ऑनर्स की डिग्री मिलेगी। जिनके चार साल के पाठ्यक्रम में 75 प्रतिशत से अधिक अंक होंगे, उन्हें ऑनर्स विद रिसर्च की विशिष्ट डिग्री दी जाएगी।

किस कॉलेज में कितनी सीटें और फीस

कॉलेज नाम	सीट	फीस
जाट कॉलेज	640	17700
गौड़ कॉलेज	120	18000
गवर्नमेंट कॉलेज महम	160	5520
गवर्नमेंट कॉलेज लाखनमाजरा	100	5160
राजकीय महिला महाविद्यालय	280	5480
गवर्नमेंट कॉलेज सांपला	40	5640
किशोरी कॉलेज	180	12350
नेकीराम कॉलेज	400	5840
सैनी कॉलेज	60	19000
हिंदू कॉलेज	80	22600
एसजेके कॉलेज कलानौर	80	21798
वैश्य कॉलेज	280	12900

स्कैनर जारी किए

नेकीराम कॉलेज के डॉ. रविंद्र ने बताया कि विभाग ने विद्यार्थियों की सहायता के लिए डिजिटल लिंक और स्कैनर जारी किए हैं। इसके जरिए छात्र घर बैठे ही नोट्स, प्रश्न पत्र और विभाग से जुड़ी जानकारियां ले सकते हैं।

रासायनिक खाद पर कम होगी किसानों की निर्भरता, मिट्टी की बढ़ेगी शक्ति

नारियल कचरे से धरती उगलेगी सोना बायोचार सुधारेगा खेती का भविष्य

बढ़ती लागत, घटती मिट्टी की उर्वरता और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटना होगा आसान

रोहित डागर ▶▶ रोहतक

बढ़ती लागत, घटती मिट्टी की उर्वरता और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच खेती को टिकाऊ बनाना आज सबसे बड़ी जरूरत बन गया है। ऐसे समय में नारियल कचरे से तैयार 'बायोचार' एक प्रभावी और पर्यावरण-अनुकूल समाधान के रूप में उभर रहा है। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के पर्यावरण विज्ञान विभाग में हुए शोध के अनुसार, यह तकनीक न केवल मिट्टी की संरचना और जलधारण क्षमता को बेहतर बनाती है, बल्कि उसमें कार्बन को लंबे समय तक स्थिर रखकर जलवायु परिवर्तन से लड़ने में भी मदद करती है। खास बात यह है कि नारियल के छिलके और खोल जैसे अनुपयोगी कचरे को उपयोग में लाकर इसे तैयार किया जाता है, जिससे प्रदूषण भी कम होता है। कम लागत, बेहतर उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण इन तीनों मोर्चों पर बायोचार किसानों के लिए एक नई उम्मीद बनकर सामने आ रहा है।

मिट्टी में कार्बन स्टोर कर जलवायु परिवर्तन से लड़ने में भी निभाएगा अहम भूमिका, गांव स्तर पर खुल रहे रोजगार के अवसर

बायोचार बनाम पारंपरिक खाद

बायोचार और पारंपरिक जैविक खाद एक-दूसरे के विकल्प नहीं बल्कि पूरक हैं। पारंपरिक खाद जल्दी विघटित होकर पौधों को तत्काल पोषण प्रदान करती है। वहीं, यह मिट्टी में लंबे समय तक बना रहता है और पोषक तत्वों को बहने (लीचिंग) से रोकता है।

पायरोलिसिस तकनीक और सरकारी प्रोत्साहन

बायोचार बनाने के लिए 'पायरोलिसिस' तकनीक का उपयोग किया जाता है। इसमें ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में नारियल के छिलकों को उच्च तापमान पर गर्म किया जाता है। पीआईबी के आंकड़ों के अनुसार, सरकार इस तकनीक को बढ़ावा देने के लिए 25–50% तक वित्तीय सहायता और 40% तक की सब्सिडी प्रदान कर रही है।

बायोचार एक क्रांतिकारी समाधान : मीनू यादव

एमडीयू रोहतक के पर्यावरण विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो रचना के मार्गदर्शन में शोधकर्ता मीनू यादव ने बताया कि बायोचार एक क्रांतिकारी समाधान के रूप में उभर रहा है। यह न केवल खेती को टिकाऊ और जलवायु-अनुकूल बनाता है, बल्कि मिट्टी में कार्बन को लंबे समय तक स्थिर रखकर उसकी संरचना, जलधारण क्षमता और पोषक तत्वों की उपलब्धता में भी उल्लेखनीय सुधार करता है।

कचरे से कंचन बनाने का मॉडल

शोधार्थी मीनू यादव के अनुसार, नारियल के छिलके और खोल दोनों ही बायोचार बनाने के लिए उत्कृष्ट बायोमास हैं, लेकिन उनकी भूमिका अलग-अलग है। नारियल का छिलका रेशेदार होता है और मिट्टी में नमी व पोषक तत्वों को सोखकर रखने में मदद करता है। वहीं, नारियल का खोल अधिक स्थिर और उच्च कार्बन वाला होता है, जो मिट्टी में लंबे समय तक टिका रहता है। पूर्व में यह कचरा या तो खुले में सड़ता था या जला दिया जाता था, जिससे मीथेन और कार्बन जैसी हानिकारक गैसें निकलती थीं। अब चेन्नई, इंदौर, मैसूर और मदुरै जैसे शहरों में नारियल कचरे का बड़े पैमाने पर प्रसंस्करण किया जा रहा है। कुछ स्थानों पर तो 100% तक पुनर्चक्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया है।

संतुलित उपयोग अनिवार्य

बायोचार का अत्यधिक उपयोग मिट्टी के पीएच मान और पोषक तत्वों के संतुलन को बिगाड़ सकता है। यदि इसे सही मात्रा में उपयोग न किया जाए, तो यह कुछ पोषक तत्वों की उपलब्धता को कम कर सकता है। इसलिए, इसे हमेशा संतुलित मात्रा में और अन्य जैविक खादों के साथ मिलाकर ही उपयोग करें। इससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहेगी और फसल पर भी बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

छिलके बेचकर कमा रहे मुनाफा

यह मॉडल किसानों के लिए अतिरिक्त आय का स्रोत बन रहा है। केरल जैसे राज्यों में किसान अब नारियल के छिलकों को बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं। यदि किसान स्वयं बायोचार तैयार करते हैं, तो उनकी रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

सरकारी योजनाएं और भविष्य की राह

वर्तमान में स्वच्छ भारत मिशन, गोबरधन और कॉयर उद्यमी योजना जैसी सरकारी पहल इस तकनीक को बढ़ावा दे रही हैं। इसके साथ ही स्वयं सहायता समूह, कृषि विज्ञान केंद्र और स्थानीय उद्यमी इस तकनीक को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में जुटे हैं। सही प्रशिक्षण और जागरूकता के माध्यम से बायोचार तकनीक आने वाले समय में भारतीय कृषि की तस्वीर बदल सकती है।

विश्व मलेरिया दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

मच्छरों से बचाव और बीमारी के लक्षणों की दी जानकारी

राहतक। कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर "मलेरिया को समाप्त करने के लिए प्रेरितः अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा" विषय के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पंडित भगवत दयाल शर्मा आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें एम.एससी. नर्सिंग द्वितीय वर्ष तथा पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु प्राचार्या प्रोफेसर सुनीता कुमारी ने मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को मलेरिया के प्रति जागरूक करना तथा इसके कारण, लक्षण, रोकथाम एवं उपचार के बारे में सही एवं वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करना था।

चार्ट से समझाया महत्व

विद्यार्थियों ने चार्ट प्रदर्शन एवं स्वास्थ्य वार्ता के माध्यम से मलेरिया के फैलने के कारण, जैसे मच्छरों का प्रजनन, गंदा पानी एवं अस्वच्छ वातावरण, को सरल भाषा में समझाया। साथ ही, मलेरिया के प्रमुख लक्षण बुखार, ठंड लगना, पसीना आना, सिरदर्द तथा समय पर जांच और पूर्ण उपचार के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। लोगों को मच्छरदानी के उपयोग, स्वच्छता बनाए रखने तथा आसपास पानी जमा न होने देने के लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में आचार्या सुनीता देवी, राममूर्ति देवी एवं सुशीला देवी के साथ-साथ कम्युनिटी मेडिसिन विभाग से डॉ. सीमा, डॉ. पलक, ब्लॉक एजुकेटर सतपाल बलहारा तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ता मनजीत का विशेष सहयोग रहा, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आचार्याओं ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम समाज को मलेरिया जैसे रोगों से बचाने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सुबह के समय कर्मचारी और शिक्षक हो रहे परेशान

रोहतक-भिवानी रोडवेज बस बंद, यात्री बेहाल

■ पिछले करीब 20–25 दिनों से बंद है सेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक-भिवानी मार्ग पर सफर करने वाले दैनिक यात्रियों, विशेषकर सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए सुबह का सफर इन दिनों सिरदर्द बना हुआ है। हरियाणा रोडवेज द्वारा सुबह 6 बजे रोहतक बस स्टैंड से भिवानी की ओर जाने वाली नियमित बस सेवा को पिछले करीब 20-25 दिनों से बंद कर दिया गया है, जिससे यात्रियों में भारी रोष है। यात्रियों का आरोप है कि सुबह 6 बजे चलने वाली यह बस सेवा अब पूरी तरह से रोडवेज अधिकारियों की मनमर्जी पर निर्भर हो गई है। कभी इस बस को रूट पर भेज दिया जाता है, तो कभी बिना किसी पूर्व सूचना के इसे बंद कर दिया जाता है। हालांकि इस रूट पर निजी बसों का संचालन भी है, लेकिन उनका समय सुचारु नहीं होने के कारण यात्रियों को उनका लाभ नहीं मिल पा रहा है।

यात्री नरेंद्र ने बताया कि सुबह 6 बजे वाली यह रोडवेज बस कलानौर और भिवानी के सरकारी कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों, शिक्षकों और अन्य दैनिक यात्रियों के लिए लाइफलाइन की तरह थी। बस सेवा बंद होने से अब ये लोग समय पर अपने गंतव्य और दफ्तरों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

समय पर उपलब्ध होती थी बस

रोजाना के सफर के लिए इस बस पर निर्भर थे क्योंकि यह समय पर उपलब्ध होती थी। बस बंद होने के कारण यात्रियों को निजी वाहनों पर निर्भर होना पड़ रहा है।

- प्रदीप, यात्री

तुरंत प्रभाव से शुरू हो बस सेवा

यात्रियों की सुविधा को देखते हुए इस बस सेवा को तुरंत प्रभाव से फिर से शुरू किया जाए, ताकि जनता और कर्मचारियों को राहत मिल सके। बस प्रतिदिन सुबह 6 बजे ही चले।

- नरेंद्र, यात्री

प्रमुखता से होगा समाधान

इस मामले की जानकारी मेरे संज्ञान में नही थी। यात्रियों की शिकायत पर प्रमुखता से समाधान किया जाएगा। कर्मचारियों से बस के संचालन को लेकर जानकारी ली जाएगी।

- नवीन कुमार, महाप्रबंधक, रोडवेज

उम्मीदवारों को पढ़ाया आचार संहिता का पाठ

सांपला। नपा चुनावी मैदान में उतरे उम्मीदवारों द्वारा जमा कराए गए नामांकन पत्रों की जांच की गई। जांच में सभी उम्मीदवारों के नामांकन पत्र ठीक पाए गए हैं। वहीं उम्मीदवारों को चुनाव अधिकारियों ने आचार संहिता का पाठ पढाया। शुगर मिल के एमडी मुकुल कुमार ने बताया कि मंगलवार दोपहर तीन बजे के बाद सभी उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह दिए जाएंगे। यह अगर किसी उम्मीदवार को अपना नामांकन वापिस लेना है तो वह तीन बजे तक ले सकता है। एसडीएम अंकिता पवार ने चेयरमैन पद के उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह व अन्य नियमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान आचार संहिता का पालन करें। निर्धारित स्थानों पर ही बैनर पोस्टर लगाए और जो रजिस्टर दिया गया है चुनाव खर्च का ब्यौरा उसमें दर्ज करते रहें।

पठानिया पब्लिक स्कूल में बच्चों ने सीखे डाइनिंग टेबल मैनर्स

■ भोजन के समय शिष्टाचार स्वच्छता पर किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पठानिया पब्लिक स्कूल में गत सप्ताह नर्सरी से केजी तक के बच्चों के लिए "डाइनिंग टेबल मैनर्स" विषय पर एक रोचक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधि का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भोजन के दौरान अपनाए जाने वाले शिष्टाचार, स्वच्छता और अच्छी आदतों के प्रति जागरूक करना था। प्रायोगिक सत्र के दौरान बच्चों को हाथ धोने का महत्व, प्लेट और चम्मच का सही उपयोग, मुंह बंद करके भोजन करना तथा बिना आवाज किए पानी पीना सिखाया गया। साथ ही "कृपया" और "धन्यवाद" जैसे शिष्ट शब्दों के प्रयोग की भी जानकारी दी गई। गतिविधि में बच्चों ने कुर्सी पर सही तरीके से बैठना, नैपकिन का उपयोग और एक-दूसरे के साथ भोजन साझा करना भी सीखा। कार्यक्रम हैड सुमन राठी के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें अध्यापिकाओं ने बच्चों का मार्गदर्शन किया। स्कूल प्रबंध निदेशक अंशुल पठानिया ने कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित करती हैं। वहीं, स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों से भी इन आदतों को घर में अपनाने की अपील की।

अधिकारी शिविरों में प्राप्त हर शिकायत का तय समय में करें निपटारा : डीसी

■ हर सोमवार व गुरुवार को लगाए जा रहे समाधान शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। समाधान शिविर में लोगों की शिकायत सुनते महम उपमंडल में उपमंडलाधीश विपिन कुमार । फोटो : हरिभूमि

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने विभागाध्यक्षों को निर्देश दिये है कि वे समाधान शिविर में प्राप्त हर शिकायत का समयबद्घ व उचित निपटारा करवाना सुनिश्चित करें। शिकायत का निपटारा करते समय संबंधित नागरिक को भी विभागीय कार्यवाही की जानकारी देकर संतुष्ट करें। सचिन गुप्ता ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार नागरिकों की हर विभाग से संबंधित समस्याओं का एक छत के नीचे तुरंत निदान करवाने के उद्देश्य से हर सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक जिला मुख्यालय व उपमंडल मुख्यालयों पर समाधान शिविर आयोजित किये जा रहे है। उन्होंने कहा है कि जिला प्रशासन द्वारा समाधान शिविरों की शिकायतों के निपटारे की नियमित रूप से समीक्षा की जा रही है। उपायुक्त ने कहा है कि नागरिकों की समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए कॉलिंग सेल भी स्थापित किया गया है।

पूर्व हवलदार लेखराम का 92 वर्ष की आयु में निधन

रोहतक। हरियाणा पुलिस के पूर्व हवलदार लेखराम मलिक का रविवार को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने दोपहर बाद 1 बजकर 30 मिनट पर अंतिम सांस ली। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। लेखराम मलिक ने अपने सेवाकाल में उल्लेखनीय योगदान दिया। वर्ष 1975-76 के दौरान वे हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री बंसीलाल की निजी सुरक्षा में तैनात रहे। अपने कठोर परिश्रम और कर्तव्यनिष्ठा के लिए वे विशेष रूप से जाने जाते थे। वर्ष 1986 में उन्होंने हरियाणा आर्म्ड पुलिस, मधुबन से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली थी। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

गोल्ड लोन बैंक के बाहर धरना प्रदर्शन

■ आभूषण वापस न मिलने पर ग्राहकों ने किया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कलानौर

भिवानी चुंगी के समीप स्थित एक निजी गोल्ड लोन बैंक के बाहर सोमवार को ग्राहकों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में लोग अपने गिरवी रखे आभूषण वापस न मिलने के विरोध में धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि जब तक उनका सोना वापस नहीं मिलता, तब तक उनका धरना अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा। ग्राहकों का आरोप है कि पिछले वर्ष बैंक में सोना चोरी होने की घटना सामने आई थी, जिसमें पुलिस ने केस दर्ज कर बैंक मैनेजर को गिरफ्तार भी किया था। साथ ही चोरी हुए आभूषणों की रिकवरी भी हो चुकी है। इसके बावजूद एक साल बीत जाने के बाद भी उन्हें उनका सोना वापस नहीं मिला। सबसे बड़ी नाराजगी इस बात को लेकर है कि आभूषण न मिलने के बावजूद ग्राहकों के खातों में लगातार ब्याज जोड़ा जा रहा है। लोगों का कहना है कि वे लंबे समय से बैंक के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिलता है। धरने में शामिल कृष्ण, विरकरण, राजेंद्र, अनिल कुमार, वर्षा, बीर सिंह सहित कई लोगों ने कहा कि अब वे न्याय मिलने तक पीछे हटने वाले नहीं हैं। समय के साथ प्रदर्शनकारियों की संख्या भी बढ़ती जा रही है, जिससे माहौल गरमाता जा रहा है।

अधिकारियों की गैर मौजूदगी से आक्रोश

धरना स्थल पर अब तक कोई भी जिम्मेदार अधिकारी नहीं पहुंचा, जिससे लोगों में और अधिक नाराजगी देखने को मिल रही है। प्रदर्शनकारी प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं।

कोर्ट में मामला विचाराधीन

बैंक प्रबंधन की ओर से बताया गया है कि मामला फिलहाल अदालत में विचाराधीन है। न्यायालय के आदेश आने के बाद ही ग्राहकों को उनके आभूषण लौटाए जा सकेंगे। फिलहाल, ग्राहकों का कहना है कि वे अब किसी आश्वासन पर भरोसा नहीं करेंगे और समाधान होने तक धरना जारी रखेंगे।

भारत विकास परिषद ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

■ अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित डेंटल व ईएनटी क्लिनिक बसें रही आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

भारत विकास परिषद युवा संस्कार शाखा द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में विनीत अग्घी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। शिविर में चिकित्सक डॉ. अरुण नरूला (नरूला डायग्नोस्टिक सेंटर) एवं डॉ. आरके चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर समाज सेवा के उद्देश्य से तैयार की गई एलपीएस बोसार्ड द्वारा संचालित डेंटल एवं ईएनटी क्लिनिक बस, जो अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, विशेष आकर्षण का केंद्र रही। शिविर में डॉ. रजत मिगलानी द्वारा दंत चिकित्सा सेवाएं तथा ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. सुनील मुंजाल द्वारा कान, नाक एवं गला संबंधी जांच की गई। कुल 58 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा संस्था की ओर से सभी को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। शाखा के अध्यक्ष अमित मित्तल ने बताया कि संस्था भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक सेवा कार्यों का निरंतर आयोजन करती रहेगी।

रैनकपुरा में 2 करोड़ रुपये की धनराशि से हुआ निर्माण

अधिकारी नवनिर्मित बूस्टर का शीघ्र करवाएं संचालन : उपायुक्त

डीसी ने सलारा मोहल्ला में निर्माणाधीन बूस्टर व पाइप लाइन का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। निर्माणाधीन बूस्टर तथा प्रस्तावित पेयजल पाइप लाइन के कार्यों का निरीक्षण करते उपायुक्त सचिन गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा 2 करोड़ रुपये की लागत से रैनकपुरा में नवनिर्मित बूस्टर व पेयजल पाइप लाइन तथा सलारा मोहल्ला में 1.80 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन बूस्टर तथा प्रस्तावित पेयजल पाइप लाइन के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि रैनकपुरा बूस्टर को शीघ्र शुरू करवाया जाए तथा सलारा मोहल्ला में निर्माणाधीन बूस्टर के कार्य की गति बढ़ाई जाये। सचिन गुप्ता सोमवार को जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ रैनकपुरा तथा सलारा मोहल्ला में पेयजल आपूर्ति को सुदृढ करने के लिए निर्माणाधीन बूस्टरों व प्रस्तावित पाइप लाइन के कार्य का निरीक्षण कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन नागरिकों को पर्याप्त एवं शुद्व पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए कृत संकल्प है।

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शहर के सभी जलघरों को पानी से भरना सुनिश्चित करें। शहर में कुल पांच जलघर है, जिनमें से आईडीसी स्थित जलघर का हाल ही में निर्माण करवाया गया है तथा यह जलघर ट्रायल रन पर है। शहर में पेयजल आपूर्ति के लिए विभिन्न स्थानों पर 22 बूस्टिंग स्टेशन भी कार्यरत है। उन्होंने कहा कि साढ़े 16 करोड़ रुपये की लागत से एक परियोजना स्वीकृत करवाई गई है, जिसके तहत शहर में लगभग 45 किलोमीटर पेयजल पाइप लाइन डाली जायेगी।

शहर के प्रथम जलघर का होगा कायाकल्प

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा एक अन्य परियोजना को सरकार से स्वीकृत करवाया गया है। शहर में स्थित सबसे पुराने प्रथम जलघर के पुराने ढांचे के स्थान पर 27 करोड़ रुपये की लागत से नया ढांचा तैयार किया जायेगा तथा नया स्टोरेज टैंक का निर्माण भी करवाया जायेगा। इस स्टोरेज टैंक का निर्माण होने से इस जलघर की क्षमता में वृद्धि होगी तथा लगभग अढ़ाई दिन क्षमता का अधिक पानी भंडारण किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त स्थानीय सोनीपत सडक के साथ-साथ जलघर तक आने वाले खुले वाटर चैनल के स्थान पर 4500 मीटर लंबी 900 एमएम की नई पाइप लाइन बिछाई जायेगी तथा इस पाइप लाइन के माध्यम से पानी को पंपों के माध्यम से जलघर तक पहुंचाया जायेगा। सचिन गुप्ता ने कहा कि बोहर गांव में जल भंडारण के लिए साढे 15 एकड़ भूमि चिन्हित कर सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है तथा इसके अतिरिक्त तिलियार झील की 15 एकड़ भूमि में जल भंडारण का प्रस्ताव भी मुख्यालय भिजवाया गया है। इस अवसर पर जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता संदीप सिंह, एसडीई अनील रोहिल्ला आदि मौजूद रहे।

नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हरियाणा के खिलाड़ियों ने 10 पदक जीते

एशियन जूनियर एथलेटिक्स: प्रदेश के 5 खिलाड़ियों ने किया क्वालीफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

24वीं नेशनल जूनियर फेडरेशन एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हरियाणा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 स्वर्ण पदक और 4 रजत पदक और 2 कांस्य पदक सहित कुल 10 पदक जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का गौरव बढ़ाया।

हरियाणा के 5 एथलीट खिलाड़ियों ने एशियन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए किया क्वालीफाई।

दिलबाग सिंह अध्यक्ष एथलेटिक्स हरियाणा ने कहा कि हरियाणा के एथलीट खिलाडी मुस्कान सोनीपत ने 5 किलोमीटर दौड में, अमन झज्जर ने हैमर थ्रो इवेंट में, निश्चय रोहतक ने डिस्कस थ्रो इवेंट में और पूजा फतेहाबाद ने हाई जंप इवेंट एवं सुमित राठी झज्जर ने 3 किलोमीटर स्टेपल चेज इवेंट में एशियन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप हांगकांग (चीन) के लिए क्वालिफाई किया और योगिता हिसार ने 5 किलोमीटर रेस वाक इवेंट में नया राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित किया।

22वीं एशियन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का 3 दिवसीय आयोजन हांगकांग चीन में 28 मई से 31 मई तक किया जाएगा।सत्यवीर धनखड फरीदाबाद मीडिया प्रभारी खेल ने जानकारी देते हुए बताया कि एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा 24वीं नेशनल जूनियर फेडरेशन कम्पटीशन का आयोजन तुमकुर (कर्नाटक) में किया गया और इस कम्पटीशन में हरियाणा राज्य के एथलीट खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन कर नये कीर्तिमान स्थापित कर नया अध्याय लिखा है।

प्रदीप मलिक महासचिव एथलेटिक्स हरियाणा ने बताया कि नेशनल जूनियर कम्पटीशन के आखिरी दिन पूजा फतेहाबाद (हरियाणा) ने हाई जंप इवेंट में 1 मीटर 80 सैंटीमीटर की ऊंची छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीतकर एशियन जूनियर चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई कर भारतीय टीम में जगह बनाई। सुमित राठी झज्जर ने 3000 मीटर स्टेपल चेज इवेंट में 9 मिनट 28 सेकेंड और 04 माइक्रोन के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता और एशियन जूनियर चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई किया। गीतिका दहिया गुरुग्राम ने 800 मीटर दौड़ में 2 मिनट 13 सेकेंड और 49 माइक्रोन के समय के साथ कांस्य पदक जीता। हरियाणा राज्य के सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को एथलेटिक्स हरियाणा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमान सिंह भादू, निदेशक नरेंद्र मोर और राजकुमार मितान सदस्य ग्रीवेंस कमेटी एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ के द्वारा बधाई दी।

अरविंद पाल दहिया ने रचा इतिहास दूसरी बार बने प्रोकाम स्लैम चैंपियन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बीएसएनएल मुख्यालय नई दिल्ली में सहायक महाप्रबंधक एवं रोहतक रनर्स ग्रुप के धावक अरविंद पाल दहिया ने एक बार फिर शानदार उपलब्धि हासिल करते हुए प्रोकाम स्लैम चैंपियन का खिताब दूसरी बार अपने नाम किया है।

उन्होंने 26 अप्रैल को बेंगलूरु में आयोजित टीसीएस वर्ल्ड 10 किलोमीटर दौड़ को 49 मिनट 49 सेकेंड में पूरा कर यह उपलब्धि हासिल की। इस खिताब को जीतने के लिए धावक को देश की चार प्रमुख अंतरराष्ट्रीय दौड़ों—टाटा मुंबई मैराथन (42.2 किमी), टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलूरु, वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन (21.1 किमी) और टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता को निर्धारित समय सीमा में पूरा करना होता है। दहिया ने 2025-26 सत्र में सभी दौड़ें शानदार समय में पूरी कीं। इससे पहले उन्होंने 2024 में भी यह खिताब जीता था।

2025 में एक दौड़ छूटने के कारण उन्हें दोबारा पूरी श्रृंखला दौड़नी पड़ी, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और दोबारा चैंपियन बनकर अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया।

पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देना हम सब की जिम्मेदारी : डॉ मधुकांत

■ मॉडल टाउन स्थित कान्हा लाइब्रेरी में स्पंदन संस्था द्वारा काव्य गोष्ठी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्पंदन संस्था द्वारा मॉडल टाऊन स्थित कान्हा लाइब्रेरी में आयोजित काव्यगोष्ठी में विभिन्न विषयों पर अपनी कविताएं प्रस्तुत की गईं। डॉ० मधुकांत की अध्यक्षता में हुई इस काव्यगोष्ठी में मुख्य अतिथि की भूमिका बिजली विभाग से सेवानिवृत युधिष्ठिर अनेजा ने निभाई तथा मंच संचालन पवन गहलोत ने किया।

बृजबाला गुप्ता द्वारा सरस्वती वंदना से शुरू किए गए इस कार्यक्रम में संदीप शर्मा 'बावरा' ने अपने चिर-परिचित अंदाज में मधुर गीत सुनाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। बृजबाला गुप्ता और अर्चना कोचर की कविताओं को भी श्रोताओं में खूब सराहा।

पंकज कौशिक अपनी कविता के माध्यम से वर्तमान समाज में हालातों से घिरे हुए पुरुष की वेदना के बारे में बताया। जतिन मलिक ने हरियाणवी कविता के माध्यम से जब एक शहीद की पत्नी के त्याग, बलिदान और साहस से श्रोताओं को अवगत कराया उपस्थित श्रोताओं के आंखें नम हो उठी।

प्रो० श्यामलाल कौशल ने अपनी कविता जिंदगी की तलाश के माध्यम से जीवन की अनसुलजी गुत्थियों को सुलझाने का प्रयास किया तो वहीं कृष्णलाल 'गिरधर' ने जीवन की क्षणभंगुरता की तरह इशारा करते हुए बहुत ही प्रेरणादायी गीत प्रस्तुत किया -

चला चल मुसाफिर यह जग हैं सराय, सराय में काहे तू डेरा जमाये।

डॉ मधुकांत ने अपनी प्रसिद्ध कविता बावले शीर्षक से अपनी प्रसिद्ध कविता सुनाकर सबकी वाहवाही लूटी।

साहिल, दिनेश राजपूत, कृतिका और राजेश की कविताएँ भी सराहनीय रही। कार्यक्रम की खास बात यह भी रही थी डॉ मधुकांत में पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सभी उपस्थित जनों से पुस्तकालय से उनकी पसंद की कोई एक पुस्तक ले जाने की पेशकश की। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इनर व्हील क्लब, रोहतक द्वारा संचालित कान्हा लाइब्रेरी में साहित्य के साथ ही विभिन्न विषयों प्रेरक एवं ज्ञानवर्धक पुस्तकें उपलब्ध हैं। कार्यक्रम के अंत में अर्चना कोचर ने डॉ मधुकांत को अपनी पुस्तक अर्चना की जनिका (जनिका संग्रह) सादर भेंटस्वरूप दी।

डॉ. विजेंद्र सिंह अहलावत की चौथी जीत, जज अनिल कौशिक को दी भावभीनी विदाई

रोहतक। जिला बार एसोसिएशन रोहतक में बार काउंसिल पंजाब एवं हरियाणा के चुनाव में डॉ. विजेंद्र सिंह अहलावत की लगातार चौथी बार जीत पर जोरदार जश्न मनाया गया। अधिवक्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की और इसे रोहतक बार के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान दीपक हुड्डा ने कहा कि डॉ. अहलावत की यह जीत रिकॉर्ड कायम करने वाली है। उन्होंने बताया कि अब तक रोहतक बार का कोई भी सदस्य लगातार चार बार बार काउंसिल पंजाब एवं हरियाणा में नहीं पहुंच पाया। डॉ. अहलावत पहले भी दो बार चेयरमैन और एक बार वाइस चेयरमैन के पद पर रह चुके हैं, जो उनकी लोकप्रियता और कार्यशैली को दर्शाता है। इस अवसर पर एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम के तहत रोहतक के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कौशिक के सम्मान में विदाई समारोह भी आयोजित किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने रोहतक में बिताए समय को यादगार बताते हुए बार और शहर से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में उन्हें पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह, लाइव प्लांट और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में महासचिव राजकरण पंघाल, सह सचिव डिंपल अरोड़ा, उप प्रधान अजय ओहलान सहित कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भाग लिया और दोनों अवसरों को गरिमामय बनाया। कार्यक्रम में महासचिव राजकरण पंघाल, सह सचिव डिंपल अरोड़ा, उप प्रधान अजय ओहलान, लाइब्रेरी इंचार्ज अनिल कुमार, वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश अरोड़ा, इंदर सिंह ढुल, गूगल सिंह हुड्डा, बच्चन राम अरोड़ा, नसीब सिंह डागर, ओम प्रकाश पूनिया, सुरेंद्र लौरा, अनिल शर्मा, राजेश शर्मा, प्रदीप मलिक, सुरेंद्र वर्मा, प्रदीप ब्रह्मण, करुण भारद्वाज, किरण श्योराण वरुण कौशिक, कुशल कुंडू , विपिन डागर, दीपक सहरावत सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे।

डॉ. रमेश वर्मा बने राष्ट्रीय एआई हेल्थ पैनल के सदस्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के लिए गौरव का क्षण आया है। संस्थान के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के डॉ. रमेश वर्मा को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा गठित तकनीकी मूल्यांकन समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह समिति आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्वास्थ्य तकनीकों का मूल्यांकन करेगी।स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, यह समिति 'हेल्थ टेक्नोलॉजी असेसमेंट इन इंडिया' के तहत गठित की गई है। जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य क्षेत्र में साक्ष्य-आधारित और पारदर्शी निर्णयों को बढ़ावा देना है। डॉ. वर्मा देशभर के 11 विशेषज्ञों में शामिल हैं, जिनमें एम्स नई दिल्ली, जिपमेर पुडुचेरी और पीजीआई चंडीगढ़ के विशेषज्ञ भी हैं। समिति की अध्यक्षता मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. सिद्धार्थ रामजी करेंगे। डॉ रमेश वर्मा ने बताया कि समिति एआई-आधारित तकनीकों की क्लिनिकल प्रभावशीलता, लागत-दक्षता और स्वास्थ्य सेवाओं में समानता जैसे पहलुओं की जांच करेगी। यह दवाओं, उपकरणों और स्वास्थ्य कार्यक्रमों में एआई के उपयोग पर नीतिगत सिफारिशें देगी। जनसंपर्क विभाग के इंचार्ज डॉक्टर वरुण अरोड़ा ने बताया कि 26 वर्षों के अनुभव वाले डॉ. रमेश वर्मा ने सामुदायिक चिकित्सा में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

69वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल क्रिकेट प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा रोहतक, तैयारियां अंतिम चरण में

रोहतक। जिला रोहतक में आयोजित होने वाली 69वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल क्रिकेट गर्ल्स अंडर-17 प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां तेजी से अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। इसी कड़ी में 27 अप्रैल को सभी संबंधित अधिकारियों और ड्यूटी ऑफिशियल्स की दूसरी अहम बैठक का आयोजन वैश्य पब्लिक स्कूल, रोहतक में किया गया। बैठक जिला शिक्षा अधिकारी मंजीत मलिक के निर्देशन तथा जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी दिलजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस दौरान विभिन्न समितियों के कन्वीनरों और अधिकारियों के साथ प्रतियोगिता से जुड़ी व्यवस्थाओं और जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। मीटिंग का मुख्य उद्देश्य 29 अप्रैल से 3 मई तक आयोजित होने वाली इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता की तैयारियों की समीक्षा करना और सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देना था। अधिकारियों ने प्रत्येक समिति को स्पष्ट जिम्मेदारियां सौंपते हुए समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। इस प्रतिष्ठित क्रिकेट प्रतियोगिता में देशभर से 27 टीमें भाग लेंगी, जिनमें करीब 500 स्कूली छात्राएं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। रोहतक में होने वाला यह आयोजन जिले के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है।

कॉरपोरेट समर्थक नीतियों से मजदूर बदहाल, मई में तेज होगा आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सुखपुरा चौक स्थित प्रभात भवन में आयोजित सीटू हरियाणा की दो दिवसीय राज्य स्तरीय बैठक में भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए सीटू की राष्ट्रीय सचिव ए.आर. सिंधु ने कहा कि सरकार की कॉरपोरेट समर्थक नीतियों के कारण मजदूर नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। पूरे एनसीआर में औद्योगिक श्रमिकों के लिए 30,000 रुपये न्यूनतम वेतन लागू करने की मांग। मनरेगा को खत्म करने की कोशिशों के खिलाफ 15 मई को देशव्यापी हड़ताल में प्रदेश के मजदूर बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर प्रदेशभर में संकल्प प्रदर्शन किए जाएंगे। औद्योगिक इकाइयों में हो रहे हादसों और सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर गहरी चिंता जताई गई आदि मांगे है।

सीटू प्रदेश उपाध्यक्ष सतबीर सिंह की अध्यक्षता में हुई इस मीटिंग में निर्णय लिया गया कि मई माह में नुक्कड़ सभाओं और जनसंपर्क के जरिए अभियान को तेज किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न श्रेणियों के आंदोलनरत कर्मचारियों की मांगों का जल्द निपटारा करने की भी मांग की गई। बैठक में प्रदेश भर के मुख्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

एमडीयू छात्रों ने शुरू किया 'सेव द बड्र्स'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भीषण गर्मी में इंसान ही नहीं, पक्षी भी पानी के लिए जूझ रहे हैं। ऐसे में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के गुरुग्राम स्थित सेक्टर-40 परिसर में एमडीयू सीपीएएस (सेंटर फॉर प्रोफेशनल एंड एलाइड स्टडीज) के छात्रों ने संवेदनशील पहल करते हुए सेव द बड्र्स अभियान 2026 शुरू किया। यूथ रेड क्रॉस के स्वयंसेवकों ने परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पक्षियों के लिए पानी के बर्तन रखे और उन्हें प्रतिदिन भरने का संकल्प लिया। छात्रों का कहना है कि गर्मी के इस दौर में यह छोटा-सा प्रयास पक्षियों के लिए जीवनदायी साबित हो सकता है। यूथ रेड क्रॉस समन्वयक डॉ. संदीप अग्रवाल ने कहा कि पक्षियों के लिए पानी उपलब्ध कराना हमारी सामाजिक और मानवीय जिम्मेदारी है।

हीमोफीलिया आनुवांशिक,सही उपचार से मरीज जी सकता है सामान्य जीवन

रोहतक। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सोमवार को एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एसएमओ चिड़ी डॉ. सत्यपाल की देखरेख में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस को गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में पीजीआईएमएस से आईं काउंसलर मीनाक्षी ने भी विशेष रूप से शिरकत की और उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं।कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने विशेष रूप से हीमोफीलिया बीमारी पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि कि इस बीमारी से घबराने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि इसके प्रति जागरूक होना जरूरी है। उन्होंने बताया कि समय पर जांच और सही इलाज मिलने पर हीमोफीलिया से ग्रसित व्यक्ति भी पूरी तरह से एक सामान्य और स्वस्थ जीवन जी सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने आम जनता से अपील की कि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति हमेशा सजग रहें। यदि शरीर में इस तरह के कोई भी लक्षण दिखाई दें, तो लापरवाही न बरतें और तुरंत नजदीकी चिकित्सक से संपर्क करें। काउंसलर मीनाक्षी और अन्य विशेषज्ञों ने बताया कि हीमोफीलिया एक आनुवांशिक (जेनेटिक) बीमारी है। हमारे शरीर में कुछ विशेष प्रोटीन (क्लॉटिंग फैक्टर) होते हैं, जिनकी कमी होने पर यह बीमारी होती है।

वैश्य एजुकेशन सोसाइटी के प्रधान व कोषाध्यक्ष की सदस्यता रद्द की

रोहतक। जिला रजिस्ट्रार ऑफ सोसायटीज ने वैश्य एजुकेशन सोसाइटी के प्रबंधन में चल रही अनियमितताओं व खींचतान पर कड़ा संज्ञान लेते हुए प्रधान विकास गोयल और कोषाध्यक्ष पवन मित्तल की प्राथमिक सदस्यता तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी है । रजिस्ट्रार ने 27 अप्रैल 2026 को जारी अपने आदेश में सोसाइटी के प्रधान और कोषाध्यक्ष पर शक्तियों का दुरुपयोग वे नियमों के उल्लंघन के आरोप सही पाए हैं। प्रधान विकास गोयल और कोषाध्यक्ष पवन मित्तल ने गवर्निंग बॉडी की अनुमति के बिना ही स्टाफ के महंगाई भत्ते में भारी वृद्धि कर दी। सोसाइटी के संविधान के खिलाफ जाकर प्रधान ने विभिन्न संस्थानों में 14 संयोजकों की नियुक्ति कर दी, जिसके लिए उनके पास अधिकार नहीं था। आदेश में स्पष्ट किया गया कि प्रधान ने महासचिव राधेश्याम गर्ग को उनके संवैधानिक अधिकार इस्तेमाल करने से रोका और उन्हें रिकॉर्ड सौंपने से मना कर दिया। 14 अप्रैल 2026 को बुलाई गई विशेष बैठक की कार्यवाही को अवैध और शून्य घोषित कर दिया गया है, क्योंकि ये नियमानुसार नहीं बुलाई गई थी। जिला रजिस्ट्रार ने हरियाणा सुचारू संचालन सोसायटी पंजीकरण एवं नियमन अधिनियम, 2012 की धारा 73 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्णय लिया है। जिला रजिस्ट्रार ने सोसाइटी की गवर्निंग बॉडी को आदेश दिया है कि वे प्रधान और कोषाध्यक्ष द्वारा अपनी शक्तियों से बाहर जाकर लिए गए सभी पिछले निर्णयों की समीक्षा करें और नियमों के अनुसार उचित कार्रवाई करें।

नियम से हो रहा काम

साश काम नियमों के अनुसार हो रहा है। बात करके देखते यह फैसला क्यों लिया गया है। -प्रधान विकास गोयल

कोटा, चंडीगढ़, दिल्ली के बाद अब रोहतक में भी स्पेशल कोचिंग
IIT-JEE | NEET | NDA
6th to 12th Class & Board
ADMISSION OPEN
Get Direct Scholarship For JEE/NEET Courses Based On 10th CBSE Board 2026 Result
DIRECT SCHOLARSHIP
PERCENTAGE | SCHOLARSHIP
Above 95% | 100%
85% - 94% | 95%
70% - 84% | 80%
1 WEEK FREE TRIAL CLASS BEFORE ADMISSION
Day Boarding Classes for 6th to 12th
KOTA CLASSES
144-L Model Town Near CR Polytechnic College, Rohtak M. 97285-44433

कार्यक्रम | पीजीआईएमएस में पीडियाट्रिक्स लिगेसी कॉन्क्लेव

60 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर हुआ मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पूर्व छात्र विभाग की असली पूंजी: वीसी

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के बाल रोग विभाग ने शनिवार को सुश्रुत सभागार में पीडियाट्रिक्स लिगेसी कॉन्क्लेव का सफल आयोजन किया। इस अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से आए एमडी/डीसीएच पूर्व छात्र, संकाय सदस्य और विशिष्ट अतिथि एकत्र हुए और विभाग की 60 वर्षों की समृद्ध विरासत का जश्न मनाया।

कार्यक्रम में आने पर शिशु रोग विभाग अध्यक्ष एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल ने सभी का स्वागत किया। इसके बाद कुलपति डॉ. एच.के. अग्रवाल ने इसका शुभारंभ किया। वंदे मातरम की सुमधुर प्रस्तुति के साथ माहौल देशभक्ति से ओतप्रोत हो गया।बाल रोग विभाग की प्रोफेसर डॉ. अंजलि वर्मा ने बताया कि विभाग ने स्नातकोत्तर प्रशिक्षण के 60 वर्ष पूरे कर लिए हैं। उन्होंने विभाग की गौरवशाली यात्रा, उपलब्धियों और योगदान पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि छह दशकों में विभाग ने हजारों बाल रोग विशेषज्ञ तैयार किए हैं जो आज देश-विदेश में मानव सेवा कर रहे हैं। नवजात शिशु देखभाल, पोषण, टीकाकरण और दुर्लभ बीमारियों के क्षेत्र में विभाग ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है।

इस अवसर पर उपस्थित चिकित्सकों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. एच.के. अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि बाल रोग विभाग ने रोगी देखभाल, शिक्षण-प्रशिक्षण और अनुसंधान में उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है। 60 वर्षों की यह यात्रा समर्पण, मेहनत और टीम भावना की कहानी है। मैं पूरी टीम को निरंतर उत्कृष्टता के लिए बधाई देता हूं। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि पूर्व छात्र किसी भी विभाग के मुख्य स्तंभ होते हैं। उनकी उपलब्धियां और योगदान आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करते हैं। आज जब मैं इस सभागार में बैठे देशभर के प्रतिष्ठित बाल रोग विशेषज्ञों को देखता हूं तो गर्व होता है कि इन सबकी नींव पीजीआईएमएस रोहतक में रखी गई। आप जहां भी हैं, जो भी कर रहे हैं, आप इस संस्थान के ब्रांड एंबेसडर हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. कुंदन मित्तल ने कहा कि पूर्व छात्र विभाग के मुख्य स्तंभ हैं, जिनकी उपलब्धियां और योगदान भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करते रहते हैं। उन्होंने बताया कि कैसे पीजीआईएमएस में मिली ट्रेनिंग ने उन्हें कठिन परिस्थितियों में भी बेहतर निर्णय लेने की क्षमता दी। डॉ. अंजलि वर्मा ने अपनी प्रस्तुति में इस बात पर प्रकाश डाला कि बाल रोग विभाग अब एनआईसीयू और पीआईसीयू सुविधाओं के साथ-साथ पीडियाट्रिक एंडोक्रिनोलॉजी और हीमेटो-ऑन्कोलॉजी जैसी विभिन्न उप-विशेषताओं से भी सुसज्जित है। डॉ अंजली वर्मा ने बताया कि दोपहर में भव्य एलुमनाई रंगारंग का आयोजन हुआ, जहां पुराने साथियों ने एक-दूसरे से मुलाकात की और यादें ताजा कीं। हास्य कवि सम्मेलन ने माहौल को हल्का-फुल्का बना दिया। नामचीन कवियों की रचनाओं पर सभागार ठहाकों से गूंज उठा।

बाल रोग विभाग पीजीआईएमएस की शान

निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने कहा कि बाल रोग विभाग पीजीआईएमएस की शान है। यहां से निकले डॉक्टर आज एम्स, पीजीआई चंडीगढ़, बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों और दूरदराज के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सेवाएं दे रहे हैं। यह विविधता ही हमारी ताकत है। कॉन्क्लेव जैसे आयोजन पुराने और नए छात्रों के बीच सेतु का काम करते हैं। अनुभव साझा होता है, नेटवर्क बनता है और विभाग को नई दिशा मिलती है। मैं सभी पूर्व छात्रों को बधाई देता हूं और आह्वान करता हूं कि वे अपने संस्थान से जुड़े रहें।

बदलते चिकित्सा परिदृश्य में भूमिका और बढ़ी

कुलपति डॉ अग्रवाल ने जोर देकर कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति और बदलते चिकित्सा परिदृश्य में बाल रोग विभाग की भूमिका और बढ़ गई है। हमें नवजात मृत्यु दर कम करनी है, कुपोषण से लड़ना है और नई बीमारियों के लिए तैयार रहना है। मुझे विश्वास है कि हमारे पूर्व छात्रों का अनुभव और वर्तमान फैकल्टी की ऊर्जा मिलकर पीजीआईएमएस को बाल चिकित्सा का राष्ट्रीय केंद्र बनाएगी। विश्वविद्यालय हर स्तर पर आपका सहयोग करेगा।

पुष्पा राणा को मिला राष्ट्रीय रत्न सम्मान 2026

रोहतक। समाजसेवी पुष्पा राणा को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए राष्ट्रीय रत्न सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान शनिवार को भारत मंडपम स्थित वेस्ट प्लाजा ऑडिटोरियम-2 में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कंगना रनौत रहीं जिन्होंने पुष्पा राणा को सम्मानित करते हुए उनके कार्यों की सराहना की। पुष्पा राणा लंबे समय से सामाजिक सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण और पशु कल्याण के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने सरकारी व निजी कॉलेजों में 100 से अधिक नशा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया है।

थमी रफ्तार जाम का जंजाल

पार्किंग का अभाव, ऑटो चालकों की मनमानी से बुरा हाल

भिवानी स्टैंड बना 'ट्रैफिक ट्रैप' हर दिन लोग हो रहे बेबस

किला रोड, शौरी मार्केट और रेलवे रोड जैसे प्रमुख बाजारों को जोड़ने वाले क्षेत्र में अव्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के व्यस्तम इलाकों में शामिल भिवानी स्टैंड इन दिनों 'जाम जंक्शन' बनता जा रहा है। यहां हर दिन लगने वाला लंबा ट्रैफिक जाम न केवल राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है, बल्कि व्यापारियों और स्थानीय लोगों की दिनचर्या भी बिगाड़ रहा है। किला रोड, शौरी मार्केट और रेलवे रोड जैसे प्रमुख बाजारों को जोड़ने वाला यह क्षेत्र अब अव्यवस्था का प्रतीक बन चुका है। सुबह से लेकर देर शाम तक इस इलाके में वाहन रेंगते नजर आते हैं। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि कुछ सौ मीटर की दूरी तय करने में लोगों को 20-30 मिनट तक का समय लग जाता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि यहां न तो पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था है और न ही ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए कोई ठोस इंतजाम।

सुबह से शाम तक रेंग रहे वाहन, ऊपर से गर्मी भी बढ़ा रही परेशानी

सड़क बनी 'अस्थायी स्टैंड'

भिवानी स्टैंड के आसपास की सड़कों पर सबसे बड़ी समस्या अवैध पार्किंग है। यहां आने वाले लोग अपने वाहन सीधे सड़क किनारे खड़े कर देते हैं और बाजार में खरीदारी के लिए चले जाते हैं। इससे सड़क की चौड़ाई आधी रह जाती है और दोनों तरफ से आने वाले वाहनों के लिए जगह ही नहीं बचती। नतीजा हर कुछ मिनट में जाम लग जाता है। दुकानदारों का कहना है कि कई बार तो ग्राहक जाम के डर से बाजार में आने से भी कतराने लगे हैं, जिससे कारोबार पर भी असर पड़ रहा है।

कहीं भी ब्रेक मार देते हैं ऑटो चालक

इस इलाके में जाम की एक और बड़ी वजह ऑटो चालकों की मनमानी है। ऑटो चालक सवारियों को बैठाने और उतारने के लिए कहीं भी वाहन रोक देते हैं चाहे वह सड़क का बीच ही क्यों न हो। इस कारण पीछे आने वाले वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। कई बार तो ऑटो चालक एक साथ खड़े होकर सवारियों का इंतजार करते हैं, जिससे रास्ता पूरी तरह बाधित हो जाता है। राहगीरों का कहना है कि अगर ऑटो के लिए निर्धारित स्टैंड बना दिया जाए और नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए, तो काफी हद तक समस्या का समाधान हो सकता है।

ट्रैफिक नियमों की अनदेखी

भिवानी स्टैंड क्षेत्र में सड़क पर सफेद पट्टियां (रोड मार्किंग) भी लगभग गायब हो चुकी हैं। इससे वाहन चालकों को लेन का अंदाजा नहीं लग पाता और हर कोई अपनी सुविधा के अनुसार वाहन चलाने लगता है। ट्रैफिक नियमों की इस अनदेखी से जाम की स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। खासकर नए वाहन चालकों और बाहरी लोगों के लिए यहां ड्राइव करना चुनौती बन जाता है।

व्यापारी बोले, ग्राहकों की संख्या में गिरावट

व्यापारियों का कहना है कि जाम के कारण ग्राहकों की संख्या में गिरावट आई है। वहीं, राहगीरों को रोजाना इस अव्यवस्था का सामना करना पड़ता है। स्कूल जाने वाले बच्चों, ऑफिस जाने वाले कर्मचारियों और एंबुलेंस जैसी जरूरी सेवाओं के लिए भी यह जाम बड़ी बाधा बन रहा है। कई बार तो एंबुलेंस तक जाम में फंस जाती है, जिससे हालात गंभीर हो सकते हैं।

प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

इतनी बड़ी समस्या के बावजूद अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। न तो पार्किंग की व्यवस्था की गई है और न ही ट्रैफिक पुलिस की नियमित तैनाती नजर आती है। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी बदतर हो सकती है।

यह हो सकता है समाधान

- सड़क किनारे अवैध पार्किंग पर सख्त की जाए कार्रवाई
- ऑटो के लिए निर्धारित स्टैंड और रूट तय किया जाए, तभी राहत
- स्पष्ट रोड मार्किंग और ट्रैफिक सिग्नल की व्यवस्था भी की जाए
- पीक आवर्स में ट्रैफिक पुलिस की तैनाती भी इस क्षेत्र में बेहद जरूरी

भाजपा कार्यालय के पास हादसा

स्कॉर्पियो ने पीछे से मारी टक्कर तो पेड़ से जा भिड़ी आई-20 कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर में सोमवार सुबह एक बार फिर सड़क सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए, जब भाजपा कार्यालय 'मंगल कमल' के पास लाढौत रोड के कट पर दो कारों की जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसा इतना जोरदार था कि आगे चल रही आई-20 कार सीधे सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। राहत की बात यह रही कि कार चालक बाल-बाल बच गया और कोई जनहानि नहीं हुई। सुबह करीब 9 बजे हुए इस हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और कार में फंसे ड्राइवर को बाहर निकाला। कुछ ही मिनटों में वहां भीड़ जमा हो गई।

कैसे हुआ हादसा: कट बना 'खतरे का मोड़'

जानकारी के अनुसार, लाढौत रोड से भाजपा कार्यालय की ओर जाने वाले रास्ते पर बने कट के पास आई-20 कार सवार चालक अपनी गाड़ी मोड़ रहा था। उसी समय वीटा चौक की दिशा से एक बस भी आ रही थी, जिसके चलते आई-20 चालक ने अपनी गाड़ी की रफ्तार धीमी कर ली। इसी बीच पीछे से तेज गति में आ रही काले रंग की स्कॉर्पियो ने अचानक आई-20 को जोरदार टक्कर मार दी।

दोनों गाड़ियां क्षतिग्रस्त

हादसे में आई-20 कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि पीछे से टक्कर मारने वाली स्कॉर्पियो को भी नुकसान पहुंचा। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि अगर सड़क पर उस समय ज्यादा ट्रैफिक होता, तो हादसा और भी गंभीर हो सकता था। मौके पर मौजूद लोगों ने बिना समय गंवाए दोनों वाहनों के ड्राइवरों को सुरक्षित बाहर निकाला। गनीमत रही कि दोनों ही चालकों को गंभीर चोट नहीं आई और वे सुरक्षित हैं।

पुलिस को नहीं दी सूचना आपस में निपटाया मामला

हैरानी की बात यह रही कि इतने बड़े हादसे के बावजूद मामले की सूचना पुलिस को नहीं दी गई। दोनों वाहन चालकों ने आपसी सहमति से समझौता कर लिया और मामला वहीं खत्म कर दिया। बताया जा रहा है कि दोनों गाड़ियों में चालक के अलावा कोई अन्य सवार नहीं था। यही वजह रही कि कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

बार-बार हादसे, फिर भी नहीं जागा प्रशासन

लाढौत रोड से सोनीपत रोड पर बना यह कट लगातार हादसों का कारण बनता जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले एक महीने में यहां तीन से चार हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थिति की गंभीरता इस बात से भी समझी जा सकती है कि कुछ ही दूरी पर भाजपा का जिला कार्यालय स्थित है, जहां रोजाना नेताओं और कार्यकर्ताओं का आना-जाना लगा रहता है।

न्यूज डायरी

सीएमबीटी के दंत जांच शिविर में 50 ने करवाई जांच

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के सेंटर फॉर मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी (सीएमबीटी) ने यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (यूएचएस) के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज (पीजीआईडीएस) के सहयोग से दंत जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर में डॉ. पूजा के नेतृत्व में विशेषज्ञ दंत चिकित्सकों की टीम ने करीब 50 विद्यार्थियों की जांच की। इस दौरान दांतों से जुड़ी समस्याओं की पहचान की गई और आवश्यक परामर्श भी दिया गया। साथ ही, विद्यार्थियों के साथ एक संवादात्मक सत्र आयोजित कर उन्हें दंत स्वच्छता, सही ब्रशिंग तकनीक और ओरल हेल्थ के समग्र स्वास्थ्य पर प्रभाव के बारे में जागरूक किया गया। डॉ. पूजा ने कहा कि मौखिक स्वास्थ्य को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, जबकि यह संपूर्ण स्वास्थ्य से सीधे जुड़ा होता है। उन्होंने छात्रों को नियमित जांच और सही देखभाल की आदत अपनाने की सलाह दी।

दमकल कर्मचारियों की हड़ताल 20वें दिन भी जारी

रोहतक। प्रदेश के अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की राज्यव्यापी हड़ताल सोमवार को 20वें दिन में प्रवेश कर गई। रोहतक मुख्य दमकल केंद्र पर चल रहे इस धरने के दौरान नई रणनीति के तहत जिला प्रधान सोनू हुड्डा, संदीप शर्मा और बलविंदर सिंह ने क्रमिक भूख हड़ताल शुरू कर दी है। यूनियन ने राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल के उस बयान की कड़ी निंदा की, जिसमें उन्होंने विभाग का कार्य सुचारू रूप से चलने का दावा किया था। सोनू हुड्डा ने कहा कि प्रदेश के 103 केंद्रों पर 1,648 कर्मचारी हड़ताल पर हैं और मात्र 568 कर्मियों के भरोसे व्यवस्था छोड़ना जनता के साथ धोखा है। फरीदाबाद अग्निकांड में शहीद पुलिसकर्मियों को 1 करोड़ रुपये और सरकारी नौकरी दी गई, जबकि दमकल कर्मियों के परिवारों को इससे वंचित रखा गया। मंत्री द्वारा ठोस कदम उठाने की बात को कर्मचारियों ने गीदड़ भभकी करार दिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

आदर्श स्कूल मदीना में बच्चों को समझाया जल संरक्षण का महत्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना में जल संरक्षण पखवाड़ा एवं मॉक ग्राम पंचायत कार्यक्रम आयोजन किया गया। विद्यालय में जल संरक्षण पखवाड़ा मनाया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य बढ़ते हुए जल संकट के प्रति छात्रों को जागरूक करना था। विद्यालय में कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। जल संरक्षण के महत्व को प्रदर्शित करने वाले स्लोगन लेखन, पेंटिंग प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जल संरक्षण को बढ़ावा देने एवं समाज में जागरूकता फैलाने हेतु छात्रों ने शपथ ग्रहण की। इसके अतिरिक्त विशेष गतिविधि में छात्रों द्वारा मॉक ग्राम पंचायत का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों ने पंचायत के कार्यों एवं जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी। मॉक पंचायत में गांव के विकास, स्वच्छता, पानी, बिजली, सड़क तथा शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। साथ ही यह भी बताया गया कि पंचायत के माध्यम से अपनी समस्याओं को सही तरीके से कैसे रखा जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर /"स्वच्छ गांव, शिक्षित गांव, विकसित गांव/" का नारा लगाते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लिया।

गंदगी फैलाने वालों के काटे चालान, 27 बल्क वेस्ट जेनरेटर्स ने कूड़ा निस्तारण के लिए किया अनुबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। मीटिंग लेते संयुक्त आयुक्त नमिता कुमारी ।

शहर को स्वच्छ, सुन्दर एवं व्यवस्थित बनाने के उदेश्य से नगर निगम द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। निगम आयुक्त सचिन गुप्ता के निर्देशों के आदेशों पर टीम ने शहर में विशेष अभियान चलाकर गंदगी फैलाने वालों एवं सिंग यज प्लास्टिक बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चालान किए गए। इसी संदर्भ में संयुक्त आयुक्त नमिता कुमारी द्वारा सफाई शाखा में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ बैठक में निर्देश दिए गए कि शहर में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जायें तथा गंदगी फैलाने वालो के चालान निरंतर किए जाए। आज भी नगर निगम की टीम द्वारा 8 चालान 4300 रुपये के किए गए, जिसमें 4 चालान 800 रुपये के गंदगी फैलाने वालों व 4 चालान 3500 रुपये का सिंगल यूज प्लास्टिक बेचने वाले पर कार्रवाई करते हुए किए गए। टीम द्वारा शहर में निरंतर निरीक्षण किया जायेगा तथा नियमों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई की जाएगी। निगम आयुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि सफाई व्यवस्था के लिए निगम द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं, संयुक्त आयुक्त नमिता कुमारी की अध्यक्षता में प्रतिदिन बल्क वेस्ट जनरेटर्स द्वारा उत्पन्न कूड़े के वैज्ञानिक निस्तारण को लेकर बैठक आयोजित की जा रही है। बल्क वेस्ट जनरेटर्स द्वारा कूड़ा निस्तारण हेतु नगर निगम के साथ अनुबंध किया जा रहा है। अभी तक 27 बल्क वेस्ट जनरेटर्स द्वारा निगम के साथ अनुबंध किया जा चुका है। बैठक के दौरान जिन द्वारा अनुबंध हेतु समय मांगा गया है उन पर निर्धारित समय सीमा के उपरांत नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

यहां करें शिकायत

नागरिको से अपील है कि वे अपने घर, गली, मोहल्ले और आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने में सहयोग करे। सफाई कार्य की शिकायत बारे - स्वच्छता ऐप डाले या किसी घर/दुकान/संस्थान से कूड़ा नहीं उठाया जा रहा तो शिकायत 7303050200 व 7303050800 व सफाई कार्य न होने पर 18001805007, 8295900992 नम्बरो पर दर्ज करवाये, तुरंत समाधान किया जाएगा।

अग्नि सुरक्षा के हों पुख्ता प्रबंध : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गर्मी का मौसम चरम पर है और कई जगह में आगजनी की घटनाएं सामने आने के बाद पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक सतर्क हो गया है। आग की घटनाओं की रोकथाम और प्रभावी नियंत्रण उपाय सुनिश्चित करने के लिए कुलपति कार्यालय के कमेटी रूम में उच्चस्तरीय बैठक बुलाई गई।

कुलपति डॉ. एच.के. अग्रवाल की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में आपदा प्रबंधन, अग्नि सुरक्षा, मॉक ड्रिल और प्रशिक्षण रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि पीजीआईएमएस एक विशाल संस्थान है। यहां हजारों मरीज, अटेंडेंट और स्टाफ रोज आते हैं। एक छोटी सी चूक भी बड़ा हादसा बन सकती है। गर्मी में शॉर्ट सर्किट का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए हम पहले से ही सारी तैयारियां पुख्ता कर रहे हैं। मरीजों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

डॉ अग्रवाल ने बताया कि बैठक में कई बिंदुओं पर विशेष फोकस रहा। पहला, पीक समर में कई कॉलेजों में हुई आग की घटनाओं को देखते हुए पीजीआईएमएस में एहतियात बरतना। दूसरा, विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करना। तीसरा, सभी फायर एग्जिट को पूरी तरह से खुला और सुगम रखना। चौथा, फायर एक्सटिंग्विशर और अन्य अग्निशमन उपकरणों की कार्यशीलता सुनिश्चित करना। पांचवां, आईसीयू सहित सभी वार्डों में इलेक्ट्रिक पॉइंट्स और वायरिंग की जांच कर उसे व्यवस्थित करना। छठा, फायर फाइटिंग सिस्टम का एएमसी/सीएमसी कराना और आयोजनों के दौरान प्रशिक्षित कर्मचारियों की तैनाती का प्रस्ताव तैयार करना। कुलपति डॉ. एच.के. अग्रवाल ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में फायर फाइटिंग अरेंजमेंट को दुरुस्त करवाएं।

फायर ब्रिगेड कर्मियों के समर्थन में नपा कर्मियों ने शुरू की भूख हड़ताल

■ आज भी भूख हड़ताल पर रहेंगे नगर पालिका कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम। भूख हड़ताल पर बैठे नपा के कर्मचारी।

फरीदाबाद में आग बुझाते समय मरने वाले दो फायर कर्मियों के परिजनों को पर्याप्त मुआवजा राशि देने और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग को लेकर प्रदेशभर में फायरकर्मियोंकी हड़ताल जारी है। इस हड़ताल को महम नगर पालिका के कर्मचारी भी समर्थन दे रहे हैं। उनके समर्थन में महम नगर पालिका के कर्मचारियों ने दो दिवसीय भूख हड़ताल शुरू की है। नपा कार्यालय गेट पर सोमवार को कई कर्मचारी भूख हड़ताल पर बैठे। महम नगरपालिका कर्मचारि संघ के प्रधान संजय कांगड़ा ने बताया कि पिछले दिनों फरीदाबाद में फायर ब्रिगेड के दो कर्मचारियों की मौत हो गई थी। और फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों के समर्थन में दो दिवसीय भूख हड़ताल की जा रही है। 27-28 अप्रैल को प्रदेशभर में निकाय कर्मचारियों की भूख हड़ताल रहेगी। संजय कांगड़ा ने कहा कि अगर सरकार मांगें नहीं मानी तो 1-2 मई को पूर्ण हड़ताल की चेतावनी दी। वही महिला सफाई कर्मचारी नीलम ने बताया कि सफाई कर्मचारियों के साथ सरकार वादाखिलाफी और भेदभाव कर रही है।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

रिटौली में एएसपी आयुष यादव ने किया दौरा, युवाओं से किया आह्वान

युवा नशे से दूर रहकर खेल और पढ़ाई पर ध्यान दें, सुरक्षा नशा मुक्ति व सामाजिक सुधार जैसे मुद्दों पर खुलकर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिले में नशे और अपराध पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन लगातार सक्रिय नजर आ रहा है। इसी कड़ी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष यादव ने गांव रिटौली का दौरा कर ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने न केवल लोगों की समस्याएं सुनीं, बल्कि युवाओं को नशे से दूर रहकर खेल और पढ़ाई की ओर अग्रसर होने का संदेश भी दिया। यह दौरा पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित के दिशा-निर्देशों के तहत किया गया। गांव पहुंचने पर एएसपी ने सरपंच मंजीत, जिला पार्षद जयदेव, श्रीपाल सतगामा प्रधान सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों, महिलाओं और युवाओं के साथ बैठक की। बैठक में गांव की सुरक्षा, नशा मुक्ति और सामाजिक सुधार जैसे मुद्दों पर खुलकर चर्चा हुई।

रोहतक। आयोजित बैठक के दौरान ग्रामीणों के साथ एएसपी आयुष यादव।

नशे के खिलाफ जनभागीदारी पर जोर

बैठक के दौरान एएसपी आयुष यादव ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नशा समाज को खोखला कर रहा है और इससे न केवल युवाओं का भविष्य प्रभावित होता है, बल्कि अपराध भी बढ़ते हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे नशा तस्करों और अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों की जानकारी पुलिस को गुप्त रूप से दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाएं युवा

एएसपी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशे से दूर रहकर खेल और पढ़ाई में रुचि लेना ही उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है। उन्होंने युवाओं को खेल गतिविधियों में भाग लेने और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने के लिए प्रेरित किया। उनका कहना था कि यदि युवा सही दिशा में आगे बढ़ेंगे, तो गांव और समाज दोनों का विकास संभव है। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों पर ध्यान दें और उन्हें सही मार्गदर्शन प्रदान करें।

साइबर अपराध से बचाव के दिए टिप्स

एएसपी आयुष यादव ने बैठक में साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों पर भी चिंता जताई और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाता, एटीएम कार्ड, क्रेडिट कार्ड या ओटीपी जैसी निजी जानकारी साझा न करें।

मौके पर समस्याओं का समाधान

दौरे के दौरान एएसपी ने ग्रामीणों की विभिन्न समस्याएं भी सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया। अन्य समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर थाना शिवाजी कॉलोनी प्रभारी राकेश कुमार, नशा मुक्ति टीम प्रभारी उप निरीक्षक अमर सिंह आदि रहे।